संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -257 गुरूवार,18 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का अठारहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

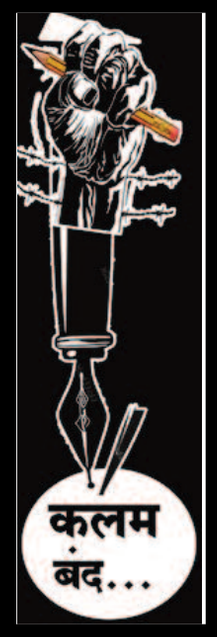

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

32 लाख के बिल में...12 लाख के कमीशन की मांग हुई...स्वास्थ्य मंत्री और एमडी के नाम से...

ठेकेदार ने शिकायत की स्वास्थ्य मंत्री को...पर नहीं हुई कार्यवाही क्यों... ?

- **आरोप:स्वास्थ्य मंत्री और एमडी के लिये नही दिया 12 लाख कमीशन तो रूक गया भुगतान...**
- **बस्तर अंचल के ठेकेदार ने स्वास्थ्य मंत्री के नाम लिखा पत्र...मचा हड़कंप...**
- **आखिर किसकी सह पर विभागीय अधिकारी कर रहे वसूली...!**
- **यदि ठेकेदार की शिकायत सही है तो फिर अधिकारियों पर कार्यवाही ना कर किसने बचाया...**

-रवि सिंह-

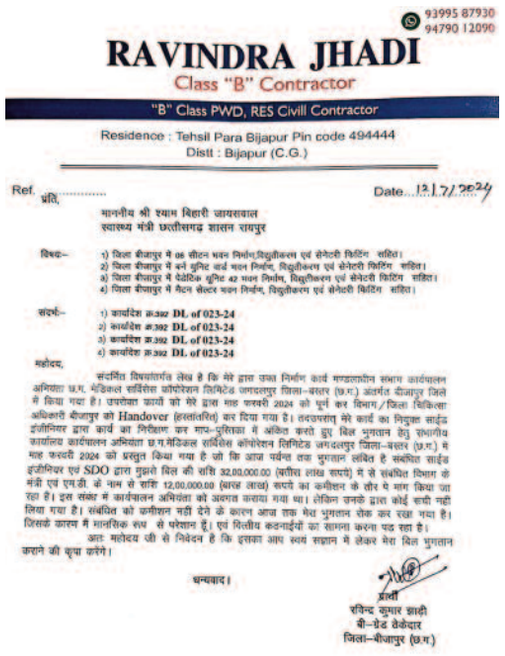

रायपुर/अम्बिकापुर, 17 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का हाल सिर्फ स्वास्थ्य सुविधा को लेकर बेहाल नहीं है बल्कि इस विभाग में निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार भी मानसिक रूप से परेशान हैं और इन्हीं परेशानियों को जब घटती-घटना अखबार ने जिम्मेदार मंत्री के सामने रखकर ठीक कराने का प्रयास किया तो वह प्रयास मंत्री को रास नहीं आया और उनके द्वारा अखबार को मिलने वाला विभागीय विज्ञापन रोक दिया गया है। यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाने का कुत्सित प्रयास है...एक मंत्री द्वारा किये जा रहे उक्त कृत्य की सर्वत्र निंदा हो रही है। अब एक नया मामला प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से ही जुड़ा सामने आया है, जिसमें विभागीय अधिकारियों के द्वारा ठेकेदार के किए गए कार्य के बिल का भुगतान सिर्फ इसलिए नहीं किया जा रहा है क्योंकि अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्री और एनएचएम के एमडी के लिए कमीशन की मांग की थी ठेकेदार ने जब कमीशन नही दिया तो उसका भुगतान रोक कर उसे परेशान किया जा रहा है। ठेकेदार ने स्वयं मंत्री से इस बात की शिकायत कर राहत दिलाने की मांग की है इसके बाद सवाल उठ रहा है...कि आखिर अधिकारी किसकी सह पर कमीशन की मांग कर रहे हैं...और यदि इस बात की शिकायत ठेकेदार ने की है और कमीशन मांगे जाने की बात यदि गलत है...तो फिर अधिकारी को आज पर्यंत क्यों बचाया जा रहा है...। हमारे सूत्रों ने बतलाया कि विभागीय ठेकेदारों का पूरा कंट्रोल मंत्री आवास में बैठे विवादित अफसरों द्वारा ही किया जा रहा है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि 32 लाख के बिल है...12 लाख का कमीशन यदि कोई ठेकेदार देगा तो गुणवत्ता कैसी होगी...? पर आखिर इतना ज्यादा कमीशन मांगने की छूट इस शासन काल में किसने दिया...क्या मौजूदा सरकार में भी कमीशन का खेल जमकर होगा...क्या पुराने सरकार के ही ढरें पर चलेगी वर्तमान सरकार...? क्या निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता की सुविधा के लिए हो रहे निर्माण कार्य को पैसों के लालच में गुणवत्ताविहीन व भ्रष्टाचार की तरफ झुका देंगे...? क्या निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अंदर ईमानदारी समाप्त हो चुकी है...सिर्फ भ्रष्टाचार के दम पर पैसा कमाना और अधिकारियों को छूट देना ही रह गया है...? क्या जनता के लिए कुछ करने की इच्छा शक्ति खत्म हो रही...? क्या जनता को यह भरोसा दिलाएंगे कि सरकार ईमानदारी से चल रही? कम से कम जनप्रतिनिधि पूरी ईमानदारी ना बरते पर कुछ तो ईमानदारी तो जरूर बरतें...ताकि जनता का विश्वास उन पर बना रहे। आज यदि इस पत्र के संदर्भ में ही बात की जाए तो यह पत्र बतलाता है कि स्वास्थ्य विभाग में कमीशन का खेल किस स्तर पर चल रहा है...कैसे ठेकेदार से कमीशन के रूप में इतनी राशि की मांग की जा रही है जो यदि ठेकेदार देता है तो समझा जा सकता है कि कार्य की गुणवत्ता क्या होगी...वैसे 32 लाख में से यदि 12 लाख का कमीशन ही दिया जाने लगेगा...तब यह माना जायेगा कि काम किए बिना ही बिल भुगतान का मामला है...। वैसे मामले में स्वास्थ्य मंत्री को ठेकेदार ने शिकायत पत्र लिखा है और आज देखना है कि क्या एसडीओ जिसके द्वारा मंत्री और एमडी के नाम से कमीशन मांगने की बात की जा रही है क्या उसपर कार्यवाही होती है...या फिर जांच कर यह तय किया जाता है... कि शिकायत ही झूठी है और यदि ऐसा है तो फिर क्या ठेकेदार पर कार्यवाही होती है...क्योंकि यदि राशि मांगने की बात कमीशन बतौर की गई है तब भी स्वास्थ्य विभाग और प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हुई है...और नहीं भी मांगी गई है फिर भी धूमिल हुई है...क्यूंकि बदनाम स्वास्थ्य विभाग मंत्री और एमडी हुते हुए हैं क्योंकि उनके नाम से राशि मांगने की बात पत्र में लिखी गई है।

93995 87930
94790 12090

RAVINDRA JHADI
Class "B" Contractor
"B" Class PWD, RES Civill Contractor
Residence : Tehsil Para Bijapur Pin code 494444
Distt : Bijapur (C.G.)

Ref. प्रति, ... Date 12/7/2024

माननीय श्री श्याम बिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर

विषय:- 1) जिला बीजापुर में 08 सीटर भवन निर्माण,विद्युतीकरण एवं सेनेटरी फिटिंग सहित।
2) जिला बीजापुर में बर्न यूनिट वार्ड भवन निर्माण, विद्युतीकरण एवं सेनेटरी फिटिंग सहित।
3) जिला बीजापुर में पेडेट्रिक यूनिट 42 भवन निर्माण, विद्युतीकरण एवं सेनेटरी फिटिंग सहित।
4) जिला बीजापुर में मैटन सेल्टर भवन निर्माण, विद्युतीकरण एवं सेनेटरी फिटिंग सहित।

संदर्भ:- 1) कार्यादेश क्र.392 DL of 023-24
2) कार्यादेश क्र.392 DL of 023-24
3) कार्यादेश क्र.392 DL of 023-24
4) कार्यादेश क्र.392 DL of 023-24

महोदय,
संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि मेरे द्वारा उक्त निर्माण कार्य मण्डलाधीन संभाग कार्यपालन अभियंता छ.ग. मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.) अंतर्गत बीजापुर जिले में किया गया है। उपरोक्त कार्यो को मेरे द्वारा माह फरवरी 2024 को पूर्ण कर विभाग/जिला चिकित्सा अधिकारी बीजापुर को Handover (हस्तांतरित) कर दिया गया है। तदउपरान्त मेरे कार्य का नियुक्त साईड इंजीनियर द्वारा कार्य का निरीक्षण कर माप-पुस्तिका में अंकित करते हुए बिल भुगतान हेतु संभागीय कार्यालय कार्यपालन अभियंता छ.ग.मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.) में माह फरवरी 2024 को प्रस्तुत किया गया है जो कि आज पर्यन्त तक भुगतान लंबित है संबंधित साईड इंजीनियर एवं SDO द्वारा मुझसे बिल की राशि 32,00,000.00 (बत्तीस लाख रूपये) में से संबंधित विभाग के मंत्री एवं एम.डी. के नाम से राशि 12,00,000.00 (बारह लाख) रूपये का कमीशन के तौर पे मांग किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालन अभियंता को अवगत कराया गया था। लेकिन उनके द्वारा कोई रूचि नही लिया गया है। संबंधित को कमीशन नही देने के कारण आज तक मेरा भुगतान रोक कर रखा गया है। जिसके कारण मैं मानसिक रूप से परेशान हूँ। एवं वित्तीय कठनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।
अतः महोदय जी से निवेदन है कि इसका आप स्वयं संज्ञान में लेकर मेरा बिल भुगतान कराने की कृपा करेंगे।

धन्यवाद।

प्रार्थी
रविन्द्र कुमार झाड़ी
बी-ग्रेड ठेकेदार
जिला-बीजापुर (छ.ग.)

मंत्री के नाम हुई कमीशन की मांग

बस्तर संभाग के बीजापुर क्षेत्र के ठेकेदार रविन्द्र झाड़ी ने विगत 12 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के नाम पत्र प्रेषित कर कार्यादेश का संदर्भ देते हुए कहा है कि मेरे द्वारा उक्त निर्माण कार्य मंडलाधीन संभाग कार्यपालन अभियंता छग मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड जगदलपुर जिला बस्तर अंतर्गत बीजापुर जिले में किया गया है। उपरोक्त कार्यो को मेरे द्वारा माह फरवरी 2024 को पूर्ण कर विभाग/ जिला चिकित्सा अधिकारी बीजापुर को हस्तांतरित कर दिया गया है। तदुपरांत मेरे कार्य का नियुक्त साईड इंजीनियर द्वारा कार्य का निरीक्षण कर माप पुस्तिका में अंकित करते हुए बिल भुगतान हेतु संभागीय कार्यालय कार्यपालन अभियंता छग मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड जगदलपुर जिला बस्तर में माफ फरवरी 2024 को प्रस्तुत किया गया है जो कि आज पर्यन्त तक लंबित है। संबंधित साईड इंजीनियर एवं एसडीओ द्वारा मुझसे बिल की राशि बत्तीस लाख में से संबंधित विभाग के मंत्री एवं एमडी के नाम से राशि 12 लाख रूपये का कमीशन के तौर पर मांग किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालन अभियंता को अवगत कराया गया था। लेकिन उनके द्वारा कोई रूचि नही लिया गया है। संबंधित को कमीशन नही दिये जाने के कारण आज तक मेरा भुगतान रोक दिया गया है जिसके कारण ठेकेदार ने खुद को मानसिक रूप से परेशान बतलाया है और बिल का भुगतान कराने की माग की है।

बीजापुर दौरे पर नहीं लिया गया संज्ञान,क्या है चाल

ठेकेदार द्वारा स्वास्थ्य मंत्री को यह पत्र 12 जुलाई को ही लिखा गया है,उसके बाद 15 जुलाई को ही मंत्री ने बीजापुर का दौरा किया है। ठेकेदार द्वारा की गई उक्त शिकायत काफी गंभीर है। सवाल उठना लाजमी है कि क्या सचमुच मंत्री के नाम पर कमीशन की मांग की जा रही है और फिर कमीशन की मांग नही की जा रही है तो फिर इतने महीने तक ठेकेदार का भुगतान क्यों रोक कर रखा गया है। अधिकारी किसकी सह पर खुलेआम ठेकेदारों को प्रताड़ित कर कमीशन मांग रहे हैं। मंत्री द्वारा बीजापुर दौरे में भी इस बात का संज्ञान ना लिया जाना चिंतनीय है।

यह खबर प्रकाशित ना करें तो क्या करें मंत्री जी, आप खुद ही बताईये...

प्रदेश में बिगड़ी स्वास्थ्य विभाग की चाल का यह छोटा सा नमूना है, विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह तो सिर्फ झांकी है पूरी पिक्चर अभी बाकी है। विभाग में बड़े बड़े खेल मंत्री की सह पर ही हो रहे हैं यह विभागीय सूत्रों का कहना है। किसी अधिकारी की मजाल नही कि वह बिना मंत्री एवं उनके अधीनस्थ काम कर रहे अधिकारियों की मर्जी के बिना कमीशन की मांग कर लें। पीड़ित ठेकदार ने अपनी व्यथा बतलाते हुए भुगतान की मांग की है लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कोई संज्ञान नही लिया जाना भी आश्चर्यजनक है। इसी प्रकार की भर्राशाही से अवगत कराना मंत्री को रास नही आ रहा था तब मंत्री ने विभाग से जारी होने वाले विज्ञापन को मौखिक आदेश देते हुए जनसंपर्क से रोक लगवा कर कमियों की खबरों को प्रकाशित ना होने देने का रास्ता अपनाया है। सवाल खुद मंत्री से है कि क्या ऐसे खबरों का प्रकाशन ना किया जाए तो फिर आप खुद ही बताईये लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आखिर किन खबरों का प्रकाशन करे।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

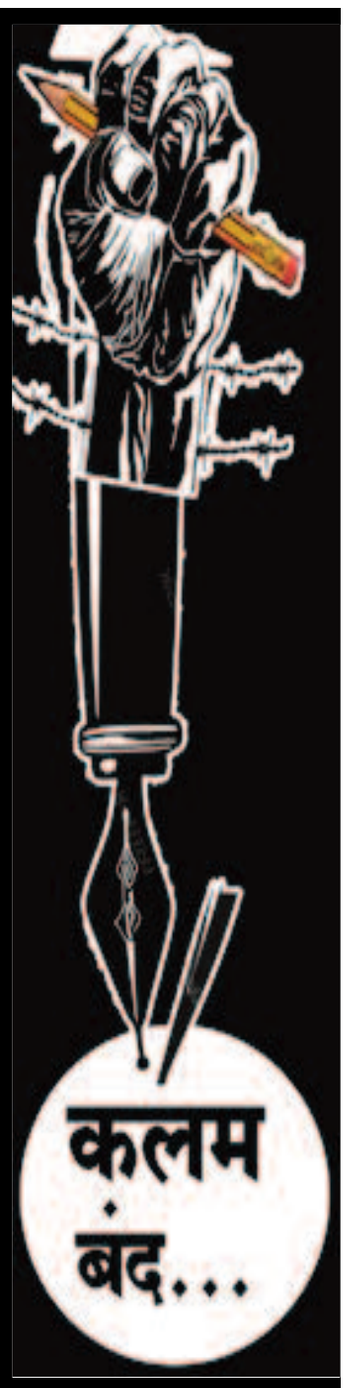

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का अठारहवां दिन

कलम बंद...का अठारहवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,17 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

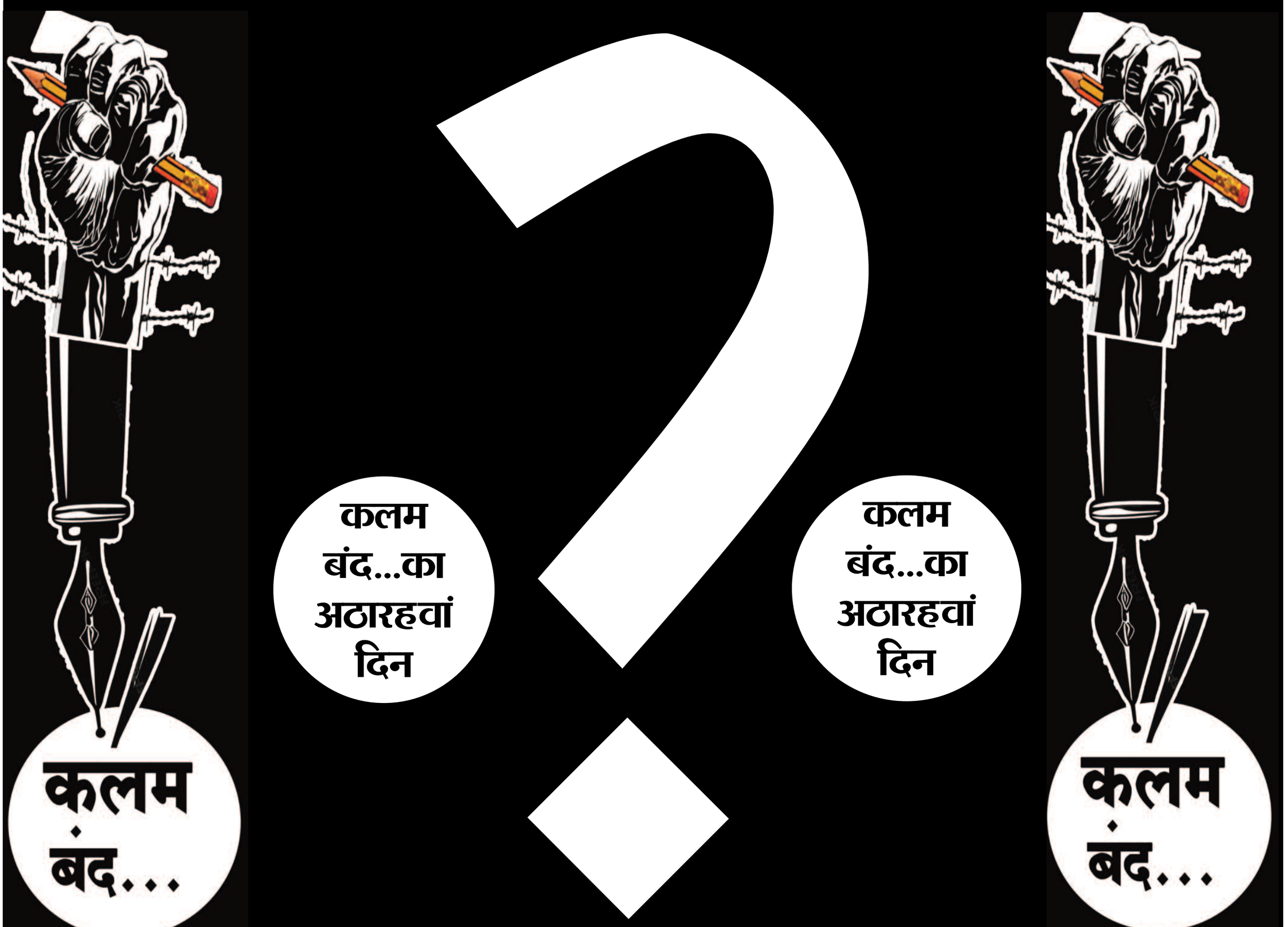

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,17 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

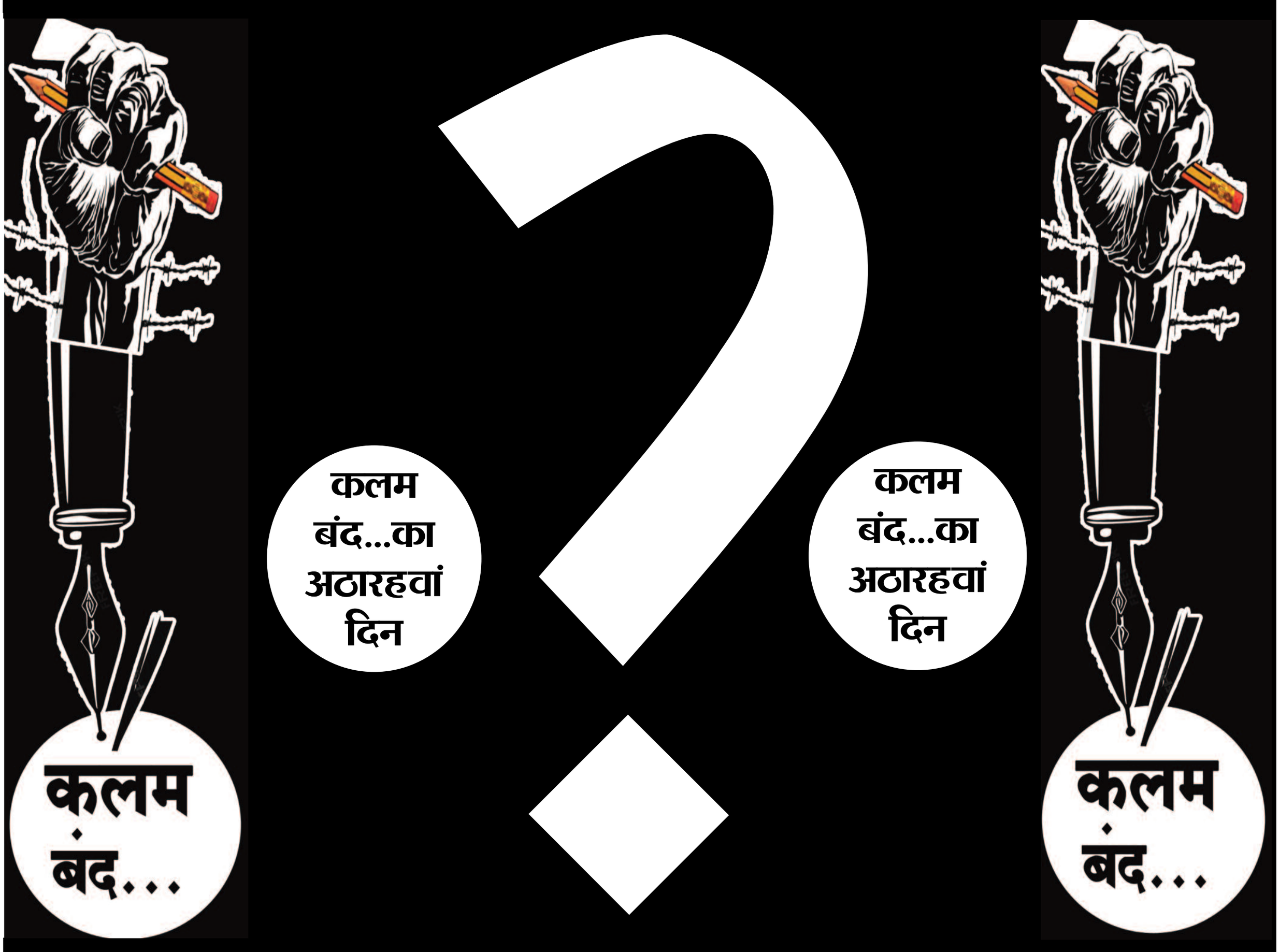

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,17 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

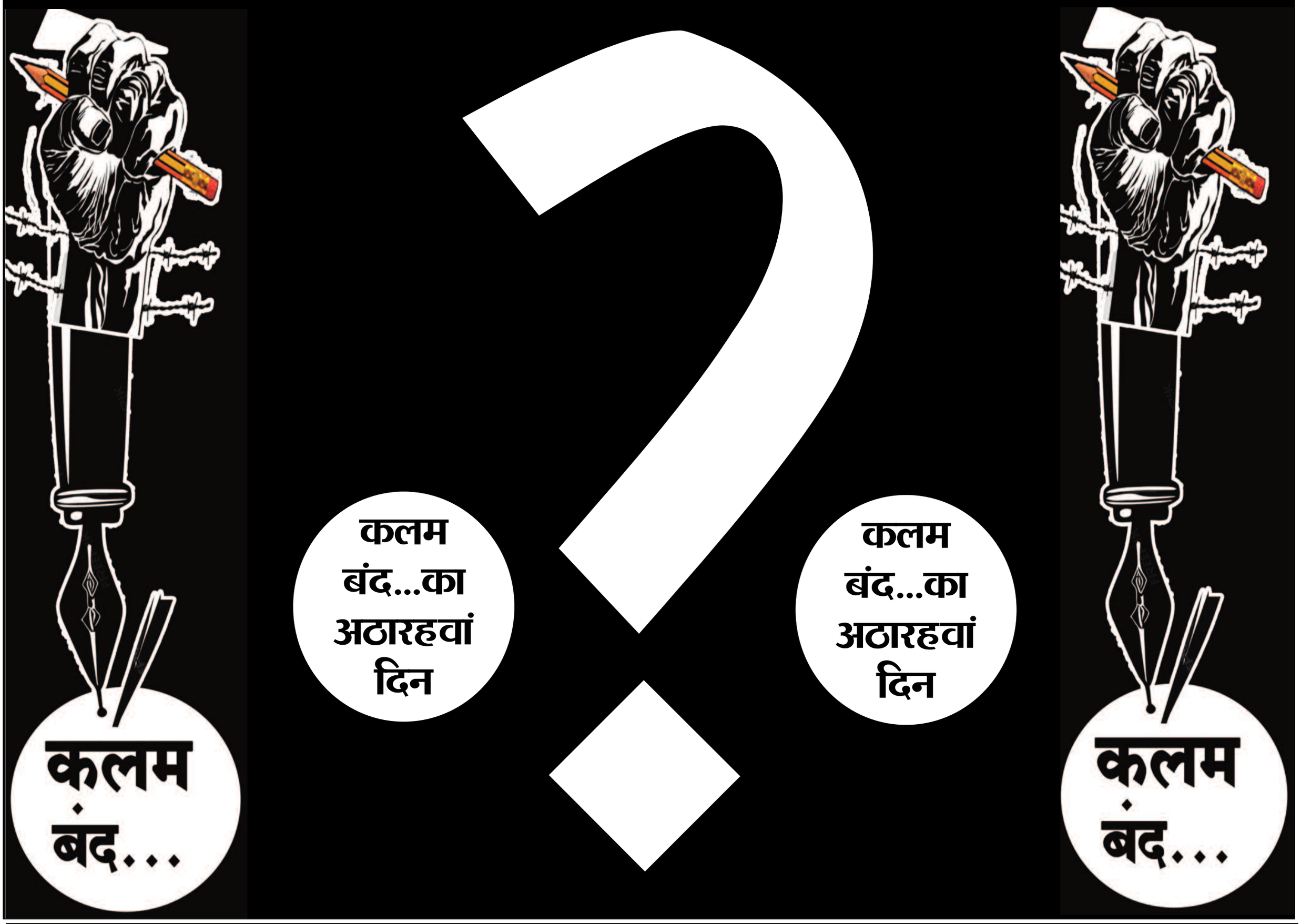

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,17 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

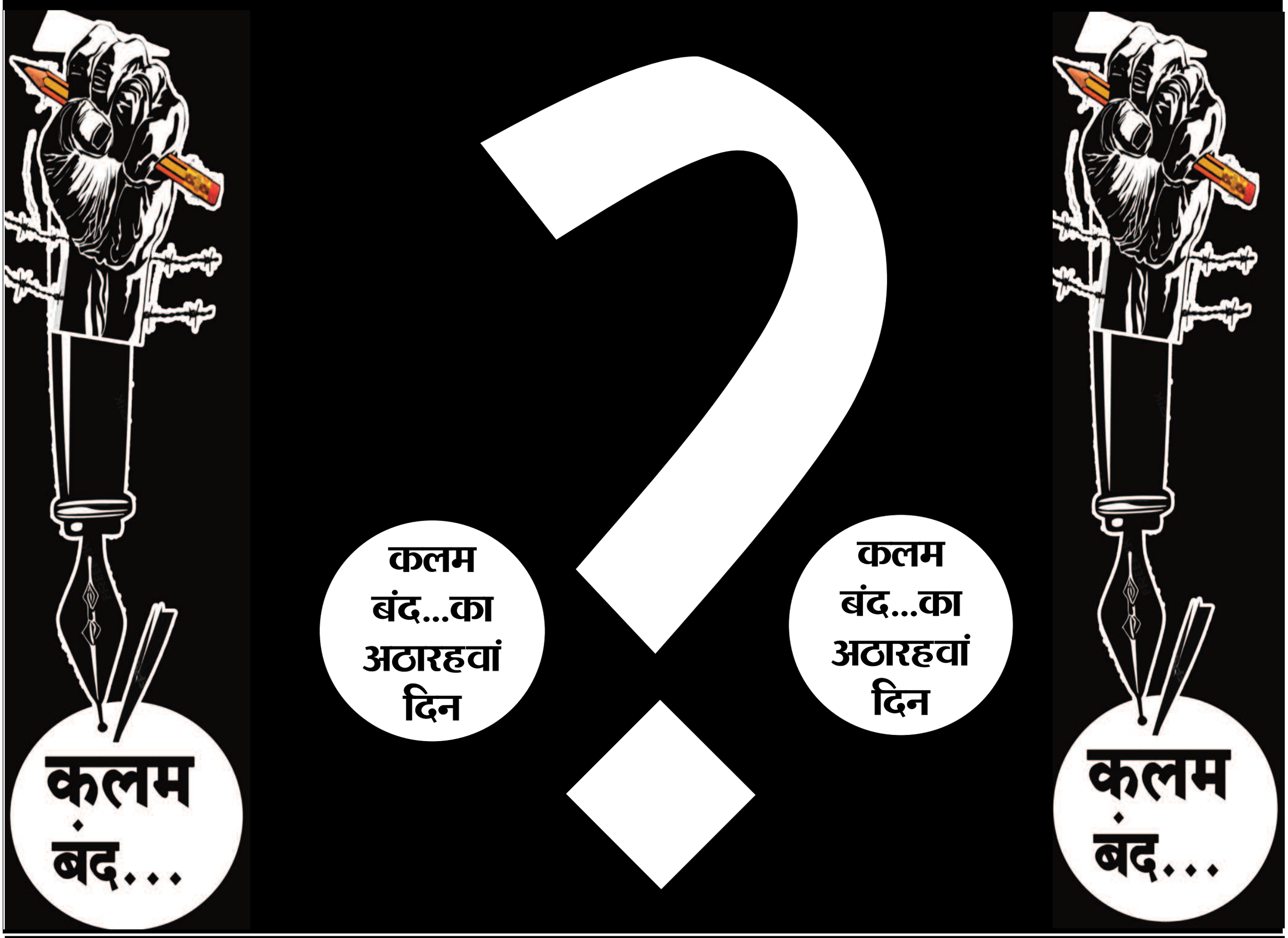

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

आईसीसी टी 20 रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल का बड़ा धमाका

सूर्यकुमार यादव के करीब पहुंचा सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट

नई दिल्ली,17 जुलाई 2024। आईसीसी की ओर से नई टी 20 रैंकिंग जारी कर दी गई है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अभी भी पहले नंबर की कुर्सी पर काबिज नहीं हो पाए हैं। लेकिन अब बड़ी बात ये हुई है कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट सूर्या के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। इनके बीच रेटिंग का कोई भी अंतर नहीं रह गया है, हालांकि रैंकिंग में जरूर सूर्यकुमार यादव साल्ट से आगे दिख रहे हैं। इस बीच भारत के स्टार बल्लेबाजों में शुमार हो चुके यशस्वी जायसवाल ने धमाल मचाया है, वे लंबी छलांग लगाने में कामयाब हुए हैं।

ट्रेविस हेड आईसीसी टी 20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज

टी20 की लेटेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अभी भी नंबर एक की कुर्सी पर काबिज हैं। वे 844 की रेटिंग तक जा पहुंचे हैं। पिछले कुछ हफ्ते से वे पहले ही नंबर पर बने हुए हैं। इस बीच भारत के सूर्यकुमार यादव नंबर दो पर हैं और अब तो उनकी नंबर दो की कुर्सी पर भी खतरा दिख रहा है। टी20 की नई आईसीसी रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव 797 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इतनी ही रेटिंग इंग्लैंड के फिल साल्ट की भी है। वे भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सूर्या को दरअसल नुकसान इसलिए हुआ है, क्योंकि वे जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं खेल रहे थे। लेकिन अब श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज में वे खेलते हुए नजर आएंगे, यानी उनके पास मौका होगा कि फिल साल्ट से ज्यादा रेटिंग लेकर वे अपनी नंबर दो की कुर्सी और पुख्ता करें, साथ ही ट्रेविस हेड के करीब पहुंचा जाए।

यशस्वी जायसवाल ने लगाई लंबी छलांग

इन तीन टॉप 3 खिलाड़ियों के बाद की बात करें तो पाकिस्तान के बाबर आजम 755 की रेटिंग के साथ नंबर 4 पर बने हुए हैं। वहीं पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान 746 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर हैं। इनकी रैंकिंग में कोई बदलाव

नहीं हुआ है। भारत के यशस्वी जायसवाल ने रैंकिंग में लंबी छलांग मारी है। वे अब 743 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई अपनी पारियों की बदौलत उन्होंने चार स्थानों की छलांग मारने में कामयाबी हासिल की है।

रुतुराज गायकवाड को हुआ हल्का सा नुकसान

यशस्वी जायसवाल के आगे जाने से कुछ और बल्लेबाजों को नुकसान हुआ है। इंग्लैंड के जॉस बटलर 716 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। भारत के ही रुतुराज गायकवाड की रेटिंग इस वक्त 684 की है और वे भी एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 8 पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के ब्रेंडन किंग की रेटिंग 656 है, वे एक स्थान के नुकसान के साथ नंबर 9 पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के ही जानसन चार्ल्स 655 की रेटिंग के साथ नंबर दस पर आ गए हैं, उन्हें भी एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। इस बीच साउथ अफ्रीका के एडन मारक्रम टॉप 10 से बाहर होकर नंबर 11 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 646 की है।

राफेल नडाल से हो सकता है सुमित नागल का मुकाबला

नॉर्डिया,17 जुलाई 2024। नॉर्डिया ओपन 2024 के टूर्नामेंट में प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं और भारत के सुमित नागल भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे हैं। जहां उनका सामना अर्जेंटीन के मारियानो नवोन से होगा। सुमित बहुत ही शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग में पहुंच गए हैं। अब नॉर्डिया ओपन में अगर वह अपना प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लेते हैं, तो उनका सामना दुनिया के बेहतरीन टेनिस प्लेयर्स में एक राफेल नडाल से हो सकता है।

सुमित नागल का नॉर्डिया ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में मारियानो नवोन से होगा। अगर वह ये मैच जीत जाते हैं, तो वह क्वार्टरफाइनल में पहुंच जाएंगे। इसके अलावा प्री-क्वार्टर फाइनल में ही राफेल नडाल का सामना कैमरन नोरी से होगा। अगर नडाल भी अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में जीत हासिल कर लेते हैं, तो वह भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच जाएंगे। इस तरह से सुमित नागल और नडाल क्वार्टरफाइनल में भिड़ते हुए नजर आ सकते हैं। लेकिन इसके लिए इन दोनों ही प्लेयर्स को पहले अपने-अपने राउंड-16 के मैच जीतने होंगे।

शानदार फॉर्म में हैं सुमित नागल

भारत के टॉप सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल आखिर में इलियास यमेर को हराने में सफल रहे। उन्होंने स्वीडन के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराकर नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। नागल ने इससे पहले यमेर के खिलाफ जो दो मैच खेले थे उसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को 6-4, 6-3 से पराजित किया।

इंटर मियामी के लिए कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे लियोनेल मेस्सी

बर्सिलोना,17 जुलाई 2024। कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान चोटिल होने वाले लियोनेल मेस्सी अपनी मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेस्सी के दाहिने टखने में चोट लगी है और उनकी फिटनेस का निरंतर आकलन किया जाएगा। इंटर मियामी टोरंटो एफसी और शनिवार रात शिकागो की मेजबानी करेगा। मेस्सी अर्जेंटीना और कोलंबिया के बीच रविवार को खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें कोपा अमेरिका फाइनल के इस मैच में 64 मिनट बाद मैदान छोड़ना पड़ा था। अर्जेंटीना ने यह मैच 1-0 से जीता था। अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर बताया कि उनकी प्रगति अच्छी है और उम्मीद जताई कि कि वह जल्द वापसी करेंगे।

ओलंपिक में पहली बार खेलेंगे 72 भारतीय प्लेयर्स

14 साल की धिनिधि है सबसे युवा खिलाड़ी

नई दिल्ली,17 जुलाई 2024। खेलों के महाकुंभ पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत 26 अगस्त हो रही है। इस पर सारी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना हर खिलाड़ी का सपना होता है। ओलंपिक में हर देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय खेल मंत्रालय ने पेरिस ओलंपिक के लिए 117 प्लेयर्स को मंजूरी दी है। इस बार भारत के मेडल की संख्या दोहरे अंक में पहुंचने की पूरी उम्मीद है। ईएसपीएन के मुताबिक पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की तरफ से लगभग 72 एथलीट ओलंपिक में डेब्यू करेंगे और पहली बार ओलंपिक में उतरने जा रहे हैं। पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लेने वालों में दो बार की मुक्केबाजी चैंपियन निकहत जरीन, जूनियर विश्व कुश्ती चैंपियन अंतिम पंघाल और रीतिका हुडा, ज्योति याराजी और सनसनीखेज जैवलिन थ्रोअर किशोर कुमार जेना शामिल हैं। किशोर कुमार जेना से भारत को मेडल की उम्मीदें हैं।

14 साल की धिनिधि देसिंघु पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले सबसे कम उम्र की भारतीय प्लेयर होंगी। वह तैराकी के 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने वाली हैं। वह भारत की तरफ से ओलंपिक के इतिहास में दूसरी सबसे उम्र की प्लेयर हैं। सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक में भाग लेने का रिकॉर्ड आरती साहा के नाम है। उन्होंने साल 1952 में 11 साल की उम्र में भाग लिया था।

भारत ने टोक्यो ओलंपिक में जीते कुल 7 मेडल

भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में कुल 7 पदक जीते थे, जिसमें नीरज चोपड़ा का स्वर्ण पदक भी शामिल था। तब भारत ने ओलंपिक के लिए अपना सबसे बड़ा दल भेजा था। इस बार भी भारत को कुश्ती, बैडमिंटन, जैवलिन थ्रो, शूटिंग और हॉकी में पदकों की उम्मीद है। अभी तक ओलंपिक के इतिहास में भारत ने कुल 10 गोल्ड मेडल जीते हैं, जिसमें से 8 तो अकेले हॉकी से आए हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में शूटिंग में अभिनव बिंद्रा ने और जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल जीता था।

पेरिस में तिरंगा लहराने के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार

ओलंपिक 2024 शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। पूरी दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी अब अपने देश के लिए मेडल जीतने की आखिरी तैयारी में लगे हैं। इस साल के ओलंपिक फ्रांस की राजधानी पेरिस में हो रहे हैं। खेलों का औपचारिक उद्घाटन 26 जुलाई से शुरू होगा, लेकिन इससे दो दिन पहले ही कुछ मुकाबले शुरू हो जाएंगे। इस बीच भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर से भारत का तिरंगा पेरिस में लहराने के लिए तैयार हैं। इस बार जो सूचना अब आ रही है, उसके अनुसार कुल 117 एथलीट ओलंपिक में भारत का प्रतिधित्व करते हुए दिखाई देंगे। किस खेल में कितने खिलाड़ी होंगे, इसकी पूरी लिस्ट अब सामने आ चुकी है। जो आपको जरूर देखनी चाहिए।

खेल मंत्रालय ने जारी की सभी खिलाड़ियों की लिस्ट, आभा खटुआ बाहर

पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व 117 एथलीट करेंगे। खेल मंत्रालय की ओर से अंतिम दल को मंजूरी दे दी है। बताया गया है कि इसमें 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं, जिनमें से 72 को यात्रा करने वाले खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार की लागत पर मंजूरी दी गई है। इस बीच पता चला है कि इस फाइनल लिस्ट से गायब एकमात्र योग्य एथलीट शॉटपुट खिलाड़ी आभा खटुआ हैं। विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से अर्हता प्राप्त करने वाली खटुआ को कुछ दिनों पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक प्रतिभागियों की सूची से उनका नाम गायब पाए जाने के बाद बिना किसी स्पष्टीकरण के हटा दिया गया है।

किस खेल में कितने खिलाड़ी

जानकारी मिली है कि एथलेटिक्स में 29 नाम (11 महिलाएं और 18 पुरुष) के साथ दल में सबसे बड़ा ग्रुप होगा, उसके बाद निशानेबाजी में 21 और हॉकी में 19 का स्थान है। टेबल टेनिस में आठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु सहित सात प्रतियोगी हिस्सा लेंगे। कुश्ती में 6, तीरंदाजी में 6 और मुक्केबाजी में भी 6 प्रतिनिधि होंगे। इसके बाद गोल्फ में 4, टेनिस में 3, तैराकी में 2, नौकायन में 2 और घुड़सवारी, जूडो, नौकायन और भारोत्तोलन में एक-एक प्रतिनिधि होंगे।

पत्नी जया बच्चन के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आए अमिताभ बच्चन तो यूजर्स ने पूछा-मैडम का मूड क्यों ऑफ है?

अमिताभ बच्चन की एक तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें वह पत्नी जया बच्चन के लिए बारिश में छाता पकड़े नजर आ रहे हैं। फैंस अमिताभ के इस जेस्चर की खूब तारीफ कर रहे हैं, पर उन्हें जया का रवैया पसंद नहीं आ रहा है। कुछ यूजर्स ने तो इस पर सवाल भी करने शुरू कर दिए। अमिताभ बच्चन और जया हाल ही तब सुर्खियों में आ गए थे, जब उन्होंने बहू ऐश्वर्या राय बच्चन और पोती आराध्या के बिना अनंत और राधिका की शादी में एंट्री की थी। जहां अमिताभ-जया नाती-नातिन, बेटा-बेटी और दामाद के साथ पोज देते दिखे, वहीं ऐश्वर्या और आराध्या ने अलग एंट्री की थी। इसी के बाद से एक बार फिर कयासों का दौर तेज हो गया था कि बच्चन परिवार और ऐश्वर्या के बीच कुछ ठीक नहीं है। लेकिन अब अमिताभ-जया की यह नई तस्वीर इंटरनेट पर तहलका मचा रही है।

81 वर्षीय अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह पत्नी जया बच्चन के सिर पर छाता पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। साथ में लिखा है, हर रोज बारिश हो रही है। यहां तक कि सेट पर काम पर भी। तस्वीर में जया हाथ में लड्डू पकड़े हैं और चेहरे पर उदासी नजर आ रही है। इस तस्वीर पर जहां फैंस ने प्यार लुटाया और अमिताभ बच्चन की तारीफ की, वहीं यूजर्स को जया बच्चन का ऐसा अंदाज रास नहीं आया।

यूजर्स ने किए सवाल, रास नहीं आया जया का रवैया

यूजर्स ने सवाल किया कि जया हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं? वह इस तस्वीर में गुस्से में क्यों हैं? एक यूजर ने कमेंट किया, मैडम जी हमेशा गुस्से में क्यों रहती हैं? एक और यूजर ने लिखा है, जीरो से लेकर शोहरत के चरम तक, हर पुरुष की यही हालत है। एक अन्य यूजर ने लिखा है, जया जी का मूड ऑफ क्यों रहता है?

अमिताभ और जया की शादी को हुए 51 साल

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी को 51 साल हो चुके हैं। दोनों ने जून 1973 में शादी की थी। जया जब नातिन नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट में आई थीं, तो उन्होंने निजी जिंदगी को लेकर कई खुलासे किए थे। जया ने यह भी बताया था कि अमिताभ बच्चन उनके सबसे करीबी दोस्त हैं, जिनसे वह कभी कुछ नहीं छुपाती हैं।

एयरपोर्ट पर तृप्ति डिमरी के सामने ये शख्स मेरे महबूब मेरे सनम गाने पर करने लगा डांस,एक्ट्रेस ने बनाया वीडियो

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी फिल्म बैड न्यूज़ को लेकर चर्चा में हैं। विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ इस फिल्म में तृप्ति रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म की कहानी तृप्ति के किरदार की प्रेग्नेंसी की है, जिसे पता नहीं लगता कि उसके बच्चे का पिता कौन है। पूरी कहानी इसी सच को साबित करने के इर्द-गिर्द बुनी गई है। तृप्ति का एक मजेदार वीडियो सामने आया है जिसमें एयरपोर्ट पर वह नजर आ रही हैं और उनके सामने एक शख्स डांस करता दिख रही है।फेमस सिलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया है और बताया है कि ये शख्स कौन है जो तृप्ति के सामने अपने डांस मूव्स दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस वीडियो को शेयर कर लिखा है कि उनके लड़के फेमस हो गए हैं।

मेरे महबूब मेरे सनम गाने पर तृप्ति के सामने डांस

इस वीडियो में तृप्ति डिमरी के सामने डांस कर रहा शख्स कोई और नहीं बल्कि पपाराजी में से ही एक है। वह मेरे महबूब मेरे सनम गाने पर तृप्ति के सामने डांस पपफॉर्म करते दिख रहे हैं। वहीं तृप्ति उन्हें अपने कैमरे से शूट करती नजर आ रही हैं। इस वीडयो पर लोगों मे काफी कुछ लिखा भी है। एक ने कहा- कितना भी डांस कर लो, नहीं पटेगी वो। कुछ ने कहा है- जल्द ही ये अब बिग बॉस में होगा। 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही बैड न्यूज बता दें कि तृप्ति डिमरी पिछले साल आई एनिमल में रणबीर कपूर के बाद अब बैड न्यूज़ में विक्की कौशल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस फिल्म की रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने कई सीन्स पर कैंची चलाई है। फिल्म में विक्की और तृप्ति के बीच कुछ इटेंस सीन थे जिसमें से 3 सीन्स पर सेंसर बोर्ड ने सख्ती बरतते हुए छटनी कर दी है।

रश्मिका मंदाना पर टूटा दुखों का पहाड़

रश्मिका मंदाना साउथ सिनेमा की वो अभिनेत्री हैं, जो हिट फिल्मों की गारंटी मानी जाती हैं। अक्सर अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर उनका नाम सुर्खियां बटोरता रहता है। लेकिन इस वक्त रश्मिका लेकर जो खबर सामने आ रही है, उसे जानकर अदाकारा के फैंस को झटका लग सकता है। पूरा मामला क्या है, इस लेख में जानते हैं। रश्मिका मंदाना पर इस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दरअसल एक्ट्रेस के परिवार के एक करीबी सदस्य का देहांत हो गया है। इस मामले की जानकारी पुष्पा 2 एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी दी है। दरअसल मंगलवार देर रात एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टा स्टोरी में बताया है कि उनके पालतू डॉग मैक्सी का निधन हो गया है।

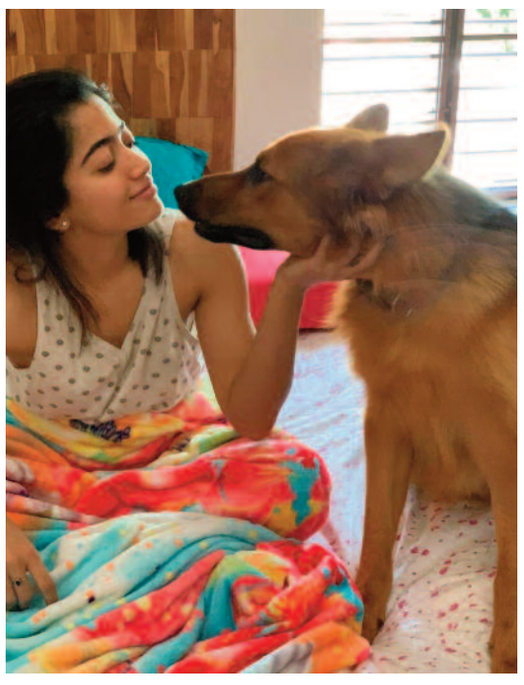

इस तरह रश्मिका मंदाना ने अपने प्रिय डॉग की मौत पर सोशल मीडिया पर शोक जताया है। रश्मिका के इस पोस्ट से ये अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि मैक्सी के जाने से वह सच में काफी दुखी हैं।असल जिंदगी में वह प्रोपर पेट लवर हैं, उनके पास अलग-अलग नस्ल के कई पालतू कुत्ते और बिल्लियां मौजूद हैं, जिनकी तस्वीरें रश्मिका मंदाना अक्सर सोशल मीडिया पर साझा करती हैं।

इन मूवीज में दिखेंगी रश्मिका मंदाना

अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से रश्मिका मंदाना के करियर को एक नई उड़ान मिली है। आने वाले समय में वह कई बड़ी फिल्मों में बतौर एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं, जिनमें अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 का नाम शामिल है। इसके अलावा धनुष और नागार्जुन की कुबेर में भी रश्मिका अहम भूमिका में मौजूद हैं

इंटीमेट सीन की शूटिंग के दौरान ऐसा फील करते हैं गुलशन देवैया,बोले- दर्शक एंजॉय करते हैं लेकिन..

हेट स्टोरी और हंटर जैसी फिल्मों में काम कर चुके गुलशन देवैया अब जाह्नवी कपूर के साथ उलझ में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। 2011 में रिलीज हुई शैतान फिल्म के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया। गुलशन देवैया ने हाल ही में रेडिट पर एमए सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने फैंस के कई सवालों के जवाब दिए। गुलशन ने इंटीमेट सीन को लेकर एक खुलासा किया। गुलशन देवैया ने बताया कि इंटीमेट सीन की शूटिंग के वक्त वह कैसा फील करते हैं। गुलशन ने जो जवाब दिया है, वह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना है। फिल्म में वह एक सॉलिड रोल में नजर आएंगे। उलझ का कुछ दिन पहले ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें जाह्नवी सहित गुलशन की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया। ये ड्रामा मूवी है, जो कि अगले महीने थिएटर्स में दस्तक दे रही है। इस बीच एक्टर गुलशन देवैया ने फैंस के पूछे गए सवालों का जवाब दिया है।

इंटीमेट सीन करने पर बोले गुलशन देवैया

रेडिट पर कंडक्ट किए गए सेशन में एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि वह अंधाधुंध फिल्म करना चाहेंगे। यह आयुष्मान खुराना और तब्बू स्टारर फिल्म है। एक ने पूछा, भाई स्टार्टिंग में जब इंटीमेट सीन करते थे, तो कैसा लगता था और अब कैसा लगता है? इसके जवाब में गुलशन ने कहा, बहुत बोरिंग था और अभी भी बहुत बोरिंग है। सिर्फ तुम लोगों को देखने में मजा आता है। सुधांशु सारिया के डायरेक्शन में बनी उलझ 2 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसकी स्टार कास्ट में जाह्नवी और गुलशन के अलावा रोशन मेथ्यू, राजेश तैलंग और मेयांग चांग नजर भी हैं

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)